शनिवार, 30 मई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

'लगे रहो बेटे' — गावस्कर का आशीर्वाद,

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'3 इडियट्स' सीक्वल को छोड़ आमिर खान बने क्रिकेट के सुपरस्टार!

Page-05

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने डॉ. राधाकृष्णन से यह भी पूछा कि समिति द्वारा सुझाए गए सुरक्षा उपायों की निगरानी कितनी प्रभावी रही। अदालत ने सवाल किया कि जब पहले से सुरक्षा संबंधी सिफारिशें मौजूद थीं, तब भी पेपर लीक कैसे हो गया। कोर्ट ने कहा कि छात्रों की मेहनत और सपनों के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए, क्योंकि लाखों युवाओं ने इस परीक्षा के लिए वर्षों तक तैयारी की है।

पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट सख्त 2027 से CBT मोड में होगी परीक्षा

- **सुप्रीम कोर्ट ने NEET-UG पेपर लीक मामले में NTA को फटकार लगाते हुए पूछा कि मजबूत निगरानी व्यवस्था के बावजूद इतनी बड़ी गड़बड़ी कैसे हुई।**
- **NTA ने कोर्ट को बताया कि 2027 से NEET-UG परीक्षा पेन-पेपर की जगह पूरी तरह CBT (Computer Based Test) मोड में आयोजित की जाएगी।**

NEET-UG पेपर लीक मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई, जहां अदालत ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। कोर्ट ने पूछा कि जब निगरानी तंत्र और कई स्तरों की सुरक्षा व्यवस्था मौजूद थी, तब इतनी बड़ी परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक कैसे हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने UPSC परीक्षा प्रणाली का उदाहरण देते हुए कहा कि देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में इस तरह की घटनाएं कभी सामने नहीं आईं, इसलिए NTA को UPSC की व्यवस्था से सीख लेने की जरूरत है।न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए NTA और डॉ. के. राधाकृष्णन द्वारा दाखिल हलफनामों को रिकॉर्ड में लिया। साथ ही केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया गया। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि इस तरह की घटनाएं देश के लाखों छात्रों के भविष्य और भावनाओं से जुड़ी होती हैं, इसलिए किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती।सुनवाई के दौरान NTA ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से चर्चा के बाद NEET-UG परीक्षा को आने वाले वर्षों में पूरी तरह कंप्यूटर आधारित परीक्षा यानी CBT मोड में आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। एजेंसी ने कहा कि 2027 से NEET-UG परीक्षा पेन और पेपर मोड की जगह CBT मोड में आयोजित की जाएगी। NTA के अनुसार विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय समिति (HLCE) ने परीक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव की सिफारिश की है, जिसमें मल्टी-सेशन और मल्टी-फेज परीक्षा प्रणाली भी शामिल है।हलफनामे में यह भी कहा गया कि अभी तक अधिकांश प्रमुख राष्ट्रीय परीक्षाएं CBT मोड में आयोजित हो रही हैं और केवल NEET-UG 2026 परीक्षा ही पारंपरिक पेन-पेपर मोड में हुई थी। एजेंसी का दावा है कि डिजिटल परीक्षा प्रणाली लागू होने से प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकेगी।स

एक्स खाते को तत्काल बहाल करने का निर्देश देने से इनकार

कॉकरोच जनता पार्टी के लिए कानूनी तौर पर एक बड़ा झटका देते हुए, दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अभिजीत दिपके के नेतृत्व वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के एक्स खाते को तत्काल बहाल करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। अदालत ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट की गई कुछ सामग्री को थोड़ा आपत्तिजनक पाया और संस्थापक दिपके की याचिका पर तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि इस मामले पर "समग्र विचार" की आवश्यकता है और सरकार और एक्स प्लेटफॉर्म की बात सुनने के बाद ही कोई आदेश पारित किया जाएगा। न्यायमूर्ति पुरुषैन्द्र कुमार कौरव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कथित तौर पर केंद्र के वकील को आश्वासन दिया कि अदालत कोई भी आदेश पारित करने से पहले सरकार की दलीलें सुनेगी। अभिजीत दिपके का प्रतिनिधित्व अधिवक्ता अखिल सिबल ने किया। हालांकि उन्होंने कहा कि अगर कुछ कथित आपत्तिजनक पोस्ट ब्लॉक ही रहें तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। अपने तर्क के समर्थन में, सिबल ने ऐसे पिछले मामलों का हवाला दिया जिनमें अदालत ने अंतरिम राहत दी थी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, पीठ ने जवाब में कहा अन्य मामलों और इस मामले में थोड़ा अंतर प्रतीत होता है... इस मामले में कारण यह प्रतीत होता है कि पूरी गतिविधि अपने आप में थोड़ी आपत्तिजनक है।

अमित शाह ने आउटपोस्ट जी-7 का उद्घाटन किया

इस कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा कि जी-7 सुविधा का निर्माण क्षेत्र में सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों के तहत लगभग 175 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था। उन्होंने कहा कि यहां से कुछ किलोमीटर दूर, बनासकांठा में, एक केंद्र स्थापित किया गया था ताकि जनता को आप सभी द्वारा किए जाने वाले कर्तव्यों से अवगत कराया जा सके। इस केंद्र का निर्माण लगभग 175 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था... आज जी-7 और जी-13 परियोजनाओं का लोकार्पण हो रहा है। जब मैंने देश के गृह मंत्री के रूप में पदभार संभाला, तो बीएसएफ के साथ अपनी पहली समीक्षा बैठक के दौरान यह पाया गया कि सुरक्षा की दृष्टि से हरामी नाला असुरक्षित प्रतीत होता है। शाह ने तकनीकी और भौगोलिक कठिनाइयों के बावजूद एक मजबूत सुरक्षा नेटवर्क स्थापित करने में सरकार की क्रमिक सफलता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमने इस पूरे क्षेत्र में एक मजबूत सुरक्षा जाल स्थापित करने में धीरे-धीरे सफलता प्राप्त की है। गृह मंत्री अमित शाह विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने और विकास एवं सुरक्षा परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में अहमदाबाद नगर निगम द्वारा न्यू वडाज सर्कल के पास स्थापित 'भारत माता प्रतिमा' का अनावरण किया।

वीडी सतीशन ने केरल को दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा विमानन केंद्र दृष्टिकोण प्रस्तुत किया

केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने शुक्रवार को राज्य के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार की, जिसमें केरल को एक प्रमुख बंदरगाह केंद्र और दक्षिण एशिया में सबसे बड़े विमानन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना की घोषणा की गई। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य सरकार बुनियादी ढांचे और सामाजिक क्षेत्र के व्यापक सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।मुख्यमंत्री सतीशन ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केरल को एक प्रमुख बंदरगाह केंद्र में बदलना है। केरल को दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा विमानन केंद्र बनाया जाएगा। उच्च शिक्षा क्षेत्र का आधुनिकीकरण किया जाएगा और विश्वविद्यालयों को उत्कृष्टता केंद्रों में परिवर्तित किया जाएगा। सरकार के आंतरिक सुरक्षा और जन स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई जल्द ही शुरू की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि सतत विकास सरकार की प्राथमिकता है। मादक पदार्थों के माफियाओं का सफाया किया जाएगा। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को मजबूत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने भूमि अधिकार और क्षेत्रीय कल्याण से संबंधित लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों के साथ-साथ बजट पर भी बात

की। सतीशन ने कहा कि बिना शर्त भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे और पुराने भूमि कानूनों को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधित किया जाएगा। बजट घोषणाएं इन सभी उद्देश्यों के अनुरूप होंगी। इससे पहले मंगलवार को केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशान ने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र से राष्ट्रीय राजमार्ग भूमि अधिग्रहण के लिए दिए गए ₹5,580 करोड़ को राज्य की ऋण सीमा से बाहर रखने का अनुरोध किया है।

इस्तीफे के बाद सोनिया-राहुल से की मुलाकात

कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद कांग्रेस नेता सिद्धरमैया ने शुक्रवार सुबह अपने बेटे यतींद्र के साथ राहुल गांधी और सोनिया गांधी से 10 जनपथ स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि सिद्धरमैया कांग्रेस नेतृत्व के साथ अपने भविष्य की रणनीति पर चर्चा करेंगे। उन्होंने राज्यसभा सीट लेने से पहले ही इनकार कर दिया है। गांधी परिवार से मुलाकात के बाद वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ भी मामलों पर चर्चा करेंगे। सिद्धरमैया की गांधी परिवार के साथ बैठक के दौरान कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला भी मौजूद थे। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सिद्धरमैया का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार सरकार गठन को लेकर कांग्रेस महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल के साथ अलग से चर्चा करेंगे। शिवकुमार के कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनने की संभावना है। सूत्रों ने यह भी बताया कि कांग्रेस कर्नाटक में पार्टी संगठन के पुनर्गठन पर भी काम करेगी, जिस पर शुक्रवार को चर्चा होने की संभावना है

रामदास की जनता ने अरविंद केजरीवाल की विचारधारा को पसंद किया

विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने शुक्रवार को रामदास नगर निकाय चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन का श्रेय पंजाब सरकार के विकास कार्यों और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की विचारधारा को दिया। नगर निकाय चुनाव परिणामों पर एएनआई से बात करते हुए धालीवाल ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने चुनाव के दौरान आप के खिलाफ गठबंधन किया था। उन्होंने कहा कि तीन पार्टियां हमारे खिलाफ गठबंधन में काम कर रही हैं - ABC यानी अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस। उन्होंने हम पर झूठे आरोप लगाए... लेकिन काम और विकास कार्य दिखते हैं, और जनता ने भगवंत मान द्वारा किए गए विकास को मान्यता दी है। रामदास की जनता ने अरविंद केजरीवाल की विचारधारा को पसंद किया। इस बीच, SDM चारुमिता ने बताया कि रामदास के सभी 11 बूथों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार को केवल बूथ नंबर 8 पर जीत मिली, जबकि आप के उम्मीदवारों ने बाकी बूथों पर जीत हासिल की। रामदास के 11 बूथों के नतीजे घोषित हो चुके हैं, जिनमें से अकाली दल के उम्मीदवार ने सिर्फ बूथ नंबर 8 पर जीत हासिल की है, बाकी सभी बूथों पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। पंजाब भर

में 75 नगर परिषदों और 20 नगर पंचायतों के लिए मतदान 26 मई को हुआ था। राज्य में विभिन्न नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए कुल 7,555 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वार्टर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

अमेरिका में भारतीयों पर नस्लीय हमला, भारत का कड़ा संदेश

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के बीच अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नस्लवाद के वायरल वीडियो पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया। विदेश मंत्रालय ने नस्लवाद को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारत और अमेरिका के बीच होने वाली व्यापारिक वार्ता और अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नस्लवाद के वायरल वीडियो पर विदेश मंत्रालय (MEA) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कड़ा रुख दिखाया है। रणधीर जयसवाल ने कहा कि जहाँ तक मेरी जानकारी है, अप्रैल के महीने में हमारी एक व्यापारिक टीम ने अमेरिका का दौरा किया था। अब हम अगले हफ्ते अमेरिका से एक टीम के भारत आने की उम्मीद कर रहे हैं, जहाँ इस बातचीत को आगे बढ़ाया जाएगा। अब तक की बातचीत काफी सकारात्मक और रचनात्मक रही है। इस संबंध में जो भी आगे की जानकारी होगी, हम आपको अपडेट करते रहेंगे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो (अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नस्लवाद) पर उन्होंने आगे कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े आपके दूसरे सवाल पर मैं यही कहूँगा कि मैंने वह पोस्ट नहीं देखी है। हालांकि, किसी भी तरह का नस्लवाद, दुनिया में कहीं भी हो, पूरी तरह से अस्वीकार्य है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अप्रैल महीने में अमेरिका से एक व्यापार दल भारत आया था। अब अगले सप्ताह अमेरिका से एक दल के भारत आने की उम्मीद है, जहां बातचीत को आगे बढ़ाया जाएगा। अब तक हमारी बातचीत सकारात्मक और रचनात्मक रही है। हम आपको इस संबंध में और अधिक जानकारी देते रहेंगे। इससे पहले भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना पर सकारात्मक संकेत देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ हफ्तों और महीनों में इस पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। दिल्ली स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित यूएस-इंडिया ट्रस्ट इनिशिएटिव कार्यक्रम में बोलते हुए गोर ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यापारिक संबंध मजबूत आर्थिक एकीकरण को दर्शाते हैं। बता दें कि अमेरिका में भारतीय मूल के एक दंपति को एक स्थानीय व्यक्ति द्वारा नस्लीय और अपमानजनक टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। बाद में उस व्यक्ति ने खुद इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया, जिसके बाद अप्रवासी-विरोधी दुर्व्यवहार (एंटी-इमीग्रेंट एब्यूज) और विदेशी लोगों के प्रति नफरत (जेनोफोबिया) को लेकर सोशल मीडिया पर भारी गुस्सा देखा जा रहा है। यह घटना, जो अब वायरल हो चुकी है, एक्स (ट्विटर) पर उसी व्यक्ति द्वारा साझा की गई थी जिसने खुद इस पूरी बातचीत का वीडियो बनाया था। वीडियो क्लिप में देखा जा सकता है कि यह दंपति एक पार्किंग लॉट में खड़ा था, तभी वह व्यक्ति उनके पास आया और उनकी राष्ट्रीयता (नेशनलिटी) को लेकर सवाल पूछने लगा, जिसके बाद उसने उन्हें 'अपने घर वापस जाने' और देश छोड़ने के लिए कहा।

NEET पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, NTA से पूछे तीखे सवाल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

सुप्रीम कोर्ट ने NEET-UG परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) को फटकार लगाते हुए पूछा कि निगरानी तंत्र और निगरानी समितियों के होते हुए भी इतनी बड़ी गड़बड़ी कैसे हो सकती है। यूपीएससी से तुलना करते हुए कोर्ट ने कहा कि देश की सर्वोच्च सिविल सेवा परीक्षा में ऐसी घटनाएँ कभी नहीं हुईं और UPSC प्रणाली से सबक लेने की आवश्यकता है। ये टिप्पणियां NEET-UG पेपर लीक मामले की सुनवाई के दौरान आईं, जहां सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता NTA और पूर्व ISRO अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की ओर से पेश हुए। अदालत ने एनटीए और डॉ. राधाकृष्णन द्वारा दायर हलफनामों को रिकॉर्ड में लेते हुए केंद्र को अपना जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा ने डॉ. राधाकृष्णन से समिति की सिफारिशों के बाद हुई निगरानी की सीमा के बारे में प्रश्न किया। यह देखते हुए कि डॉ. राधाकृष्णन निगरानी समिति में नियुक्त होने से पहले उच्च स्तरीय समिति में सेवा दे चुके थे, न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने पूछा कि कार्यान्वयन की वास्तव में कितनी निगरानी हुई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणी की कि यदि निगरानी के बावजूद ऐसी विफलता हुई है, तो निगरानी प्रक्रिया में ही खामियां प्रतीत होती हैं। पीठ ने कहा कि यदि निगरानी के बावजूद यह विफलता हुई, तो निगरानी में कोई न कोई चूक अवश्य हुई होगी। अदालत ने डॉ. राधाकृष्णन से यह भी पूछा कि समिति ने किन बातों पर विचार नहीं किया था, जिसके कारण पहले सुझाए गए सुरक्षा उपायों के बावजूद कागज़ात लीक हो गए।

भारत-चीन सीमा वार्ता में बढ़ी हलचल, कई मुद्दों पर बनी सहमति

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 35वीं बैठक के अवसर पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों पक्षों ने परिसीमन, सीमा प्रबंधन, तंत्र निर्माण और सीमा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। भारतीय पक्ष ने सीमा पार नदियों पर अगली विशेषज्ञ स्तरीय बैठक शीघ्र आयोजित करने पर जोर दिया... हम सीमा पार नदियों पर हुई वार्ता में हुए सभी समझौतों को आगे बढ़ाना चाहते हैं, और दोनों पक्ष सीमा पार नदियों पर अगली वार्ता के लिए ठोस तैयारी करने के लिए मिलकर काम करने पर भी सहमत हुए, जो अब चीन में आयोजित होने वाली है। चीन के बीजिंग में महिला एवं बाल विकास परिषद (डब्ल्यूएमसीसी) की एक बैठक भी हुई। हमारी ओर से बैठक का नेतृत्व हमारे संयुक्त सचिव ने किया... हुई चर्चाएँ रचनात्मक रहीं और एक सकारात्मक कदम का प्रतिनिधित्व करती हैं। आने वाले दिनों में जैसे-जैसे घटनाक्रम और प्रगति सामने आएगी, हम आपको उससे अवगत कराते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कश्मीर मुद्दे के संबंध में, आपने देखा होगा कि हमने इस मामले पर अपना आधिकारिक रुख स्पष्ट करते हुए एक बयान जारी किया है। चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि चीन और पाकिस्तान द्वारा जारी संयुक्त बयान के संबंध में हमने अपना जवाबी बयान जारी किया है। यह एक अलग मुद्दा है। जहां तक विश्व परिषद सम्मेलन (WMCC) का सवाल है, वह पूरी तरह से एक अलग मामला है। चीन से संबंधित बयान के संबंध में हमने इस मुद्दे पर अपना दृष्टिकोण सार्वजनिक रूप से स्पष्ट कर दिया है और हमने अपना रुख सार्वजनिक कर दिया है।

अमेरिका-ईरान डील के बीच पाकिस्तान की एंट्री, डार की रुबियो से अहम मुलाकात

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका-ईरान समझौते के मद्देनजर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो वाशिंगटन डीसी में पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार से मुलाकात करेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी दैनिक कार्यक्रम के अनुसार, सुबह 10:00 बजे (स्थानीय समय) विदेश मंत्री रुबियो विदेश विभाग में पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि वाशिंगटन पश्चिम एशिया में एक व्यापक रणनीतिक समझौते को हासिल करने के बहुत करीब है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हाल ही में अमेरिका द्वारा की गई कार्रवाइयों से होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल जाएगा, ईरान की पारंपरिक सैन्य क्षमताएं कमजोर होंगी और अमेरिका को तेहरान के परमाणु कार्यक्रम में महत्वपूर्ण देरी करने की स्थिति मिलेगी। वर्तमान में, पाकिस्तान अमेरिका-ईरान समझौते में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। इससे पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की थी कि डार न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) और अन्य बैठकों में भाग लेने के बाद वाशिंगटन की यात्रा करेंगे। एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि उप प्रधानमंत्री/विदेश मंत्री सीनेटर मोहम्मद इशाक डार, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अन्य बैठकों में अपनी व्यस्तताओं को समाप्त करने के बाद, कल, 29 मई 2026 को वाशिंगटन डी.सी. की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होंगे। इसमें आगे कहा गया है कि इस यात्रा के दौरान, डार संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रुबियो से मुलाकात करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे तथा पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

रेगिस्तान में चीन का परमाणु किला! दुनिया की बढ़ी टेंशन

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सामने आई ताजा रिपोर्टों ने चीन की एक ऐसी गुप्त और विशाल सैन्य तैयारी का खुलासा किया है, जिसने दुनिया की सामरिक बिरादरी में हलचल मचा कर रख दी है। चीन अपने सुदूर रेगिस्तानी इलाके में बड़ा परमाणु सुरक्षा कवच खड़ा कर रहा है। जिसका मकसद है कि अगर कभी अमेरिका उसके परमाणु ठिकानों पर पहला हमला करने की जुर्रत कर दे, तब भी बीजिंग की जवाबी मारक क्षमता बची रहे और दुश्मन को विनाशकारी जवाब मिले। रिपोर्टों के अनुसार, उपग्रह चित्रों से संकेत मिलता है कि चीन अपने परमाणु प्रतिरोधक तंत्र को लगभग अभेद्य बनाने की महत्वाकांक्षी योजना पर तेजी से काम कर रहा है। यह एक ऐसी व्यापक रणनीतिक तैयारी है, जो आने वाले वर्षों में अमेरिका-चीन टकराव की दिशा और दशा दोनों बदल सकती है। हम आपको बता दें कि रिपोर्टों के अनुसार, हामी क्षेत्र के परमाणु मिसाइल साइलो परिसर के आसपास चीन ने अस्सी से अधिक प्रक्षेपण स्थलों, कई बंकरों, संचार केंद्रों और आठ कोणों वाले विशेष सैन्य परिसरों का निर्माण किया है। हजारों वर्ग किलोमीटर में फैला यह जाल केवल मिसाइलों की तैनाती के लिए नहीं बल्कि कमान, नियंत्रण, संचार, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और वायु रक्षा संचालन के लिए भी तैयार किया जा रहा है। यह स्पष्ट संकेत है कि चीन अपनी परमाणु शक्ति को केवल संख्या के आधार पर नहीं बल्कि उसके बचे रहने और जवाब देने की क्षमता के आधार पर मजबूत कर रहा है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि चीन पहले से ही ऐसी अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलें रखता है जो अमेरिका के किसी भी शहर तक पहुंच सकती हैं। अब वह उन मिसाइलों की सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय ढांचा तैयार कर रहा है। यदि कभी किसी संकट की स्थिति में अमेरिका चीन के परमाणु ठिकानों को निष्क्रिय करने का प्रयास करे, तो यह नया नेटवर्क उस योजना को बेहद कठिन बना सकता है। यही कारण है कि कई सामरिक विशेषज्ञ इसे चीन की "द्वितीय प्रहार क्षमता" को मजबूत करने की दिशा में सबसे बड़ा कदम मान रहे हैं। देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से यह विकास बेहद महत्वपूर्ण है। अमेरिका और रूस पारंपरिक रूप से अपने विशाल परमाणु भंडार, मजबूत साइलो और भौगोलिक दूरी पर भरोसा करते रहे हैं।

संपादक की कलम से

तकनीक ने मानव जीवन को जितनी गति दी है, उतनी ही चुनौतियां भी खड़ी की हैं। आज सोशल मीडिया आधुनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब और व्हाट्सऐप जैसे प्लेटफॉर्म ने संवाद को आसान बनाया है, लेकिन इसके अत्यधिक उपयोग ने समाज के सामने एक नई समस्या खड़ी कर दी है—सोशल मीडिया की लत। यह केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया, बल्कि धीरे-धीरे लोगों के व्यवहार, सोच, संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाला तत्व बन गया है।आज स्थिति यह है कि सुबह आंख खुलने से लेकर रात को सोने तक बड़ी संख्या में लोग मोबाइल स्क्रीन से चिपके रहते हैं। युवा वर्ग सबसे अधिक इसकी गिरफ्त में है। पढ़ाई, करियर और सामाजिक जीवन से अधिक महत्व लाइक, कमेंट और फॉलोअर्स को दिया जाने लगा है। आभासी दुनिया में लोकप्रियता की चाह ने वास्तविक जीवन की संवेदनाओं को कमजोर किया है। परिवार में साथ बैठने वाले लोग भी एक-दूसरे से बातचीत करने के बजाय मोबाइल में व्यस्त नजर आते हैं। इससे सामाजिक रिश्तों में दूरी बढ़ रही है।सोशल मीडिया का दूसरा चिंताजनक पक्ष फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं का तेजी से प्रसार है। कई बार बिना सत्यापन के अफवाहें फैल जाती हैं, जिससे सामाजिक तनाव, हिंसा और भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है। लोगों की सोच प्रभावित होती है और समाज में वैमनस्य बढ़ने लगता है। सूचना क्रांति के इस दौर में जागरूकता जितनी जरूरी है, उतनी ही जिम्मेदारी भी आवश्यक हो गई है। मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का प्रभाव भी गंभीर चिंता का विषय है। बच्चों और किशोरों में यह प्रभाव अधिक देखने को मिल रहा है, जहां आत्मनियंत्रण की कमी उन्हें डिजिटल दुनिया का अत्यधिक आदी बना रही है। हालांकि, यह कहना गलत होगा कि सोशल मीडिया पूरी तरह नुकसानदायक है। यह शिक्षा, व्यापार, जागरूकता और सूचना प्रसार का सशक्त माध्यम भी है। कई सामाजिक आंदोलनों को इससे ताकत मिली है और लोगों को अपनी बात रखने का मंच भी मिला है। समस्या उसके अस्तित्व में नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित उपयोग में है।समय की मांग है कि सोशल मीडिया के उपयोग में संतुलन और जिम्मेदारी लाई जाए। यदि समय रहते इस चुनौती को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो तकनीक सुविधा के बजाय समाज के लिए संकट का कारण बन सकती है। आधुनिकता का सही अर्थ तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग है, न कि उसकी अंधी निर्भरता।

सिद्धारमैया की सियासी विरासत पर कांग्रेस का बड़ा संदेश

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सिद्धारमैया को कर्नाटक का प्रभावशाली नेता बताते हुए उनकी प्रशासनिक क्षमता, सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और 40 वर्षों के राजनीतिक योगदान की सराहना की। नेतृत्व परिवर्तन के बीच कांग्रेस में सियासी हलचल भी तेज हो गई है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को कर्नाटक के निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को राज्य के राजनीतिक इतिहास के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक बताते हुए उनकी प्रशासनिक कुशलता, सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और चार दशकों के राजनीतिक जीवन में नेतृत्व परिवर्तन को गरिमापूर्ण ढंग से संभालने की प्रशंसा की। X पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि सिद्धारमैया का चार दशक लंबा राजनीतिक करियर और 17 राज्य बजट पेश करना कर्नाटक के शासन में उनके कद और योगदान को दर्शाता है। कांग्रेस महासचिव ने अपने पूरे राजनीतिक करियर में सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए सिद्धारमैया की प्रशंसा की। सिद्धारमैया राज्य के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री भी हैं, जिनका करियर 2013-2018 और 2023-2026 के दो अलग-अलग कार्यकालों में 8 वर्षों से अधिक का रहा है। जयराम रमेश ने कहा कि सिद्धारमैया चार दशकों से अधिक समय से कर्नाटक की राजनीति में एक बेहद प्रभावशाली व्यक्तित्व रहे हैं, जो अपने आप में एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। जयराम रमेश ने कहा कि उन्होंने राज्य में 17 बजट पेश किए हैं, जो गुजरात में वजुभाई वाला द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड से सिर्फ एक कम और पश्चिम बंगाल में डॉ. असीम दासगुप्ता द्वारा हासिल की गई उपलब्धि से एक अधिक है। उनके सभी 17 बजट उल्लेखनीय और प्रभावशाली रहे हैं। बजट बनाने और प्रशासन पर उनकी महारत के अलावा, सिद्धारमैया सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण के प्रबल समर्थक, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और परंपराओं के अटूट हिमायती और तर्कसंगतता और वैज्ञानिक सोच के सशक्त समर्थक रहे हैं। कर्नाटक में चल रहे नेतृत्व परिवर्तन के बीच, विधान सौधा में कर्मचारियों द्वारा सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री और डीके शिवकुमार के उपमुख्यमंत्री पद की नेमप्लेटें अलमारी में रखी जाती देखी गईं। इससे पहले, सिद्धारमैया ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ कर्नाटक मंत्रिमंडल में फेरबदल, राज्यसभा चुनाव और अन्य संगठनात्मक मामलों पर चर्चा की।

पुणे शराब त्रासदी पर सियासत गरम, आदित्य ठाकरे ने सरकार को घेरा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पुणे जिले में पिछले 48 घंटों में मेथनॉल मिले शराब के सेवन से 18 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने अवैध शराब रैकेट की जांच तेज कर दी है। पिंपरी चिंचवाड़ के फुगेवाड़ी और दापोड़ी में 13 लोगों की मौत हुई, जबकि पुणे के हडपसर और कालेपदल में पांच लोगों की मौत शराब के सेवन से हुई। पुलिस ने पहले इन मौतों को अलग-अलग बीमारियों से जोड़ा था, लेकिन सभी पीड़ितों में एक समान लक्षण गंभीर चक्कर आना और पेट दर्द था। ये लक्षण शराब के जहर के शुरूआती लक्षणों से मेल खाते हैं। अवैध शराब मामले पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि ये लोग सिर्फ दिखावे के लिए लोगों को गिरफ्तार करते हैं और कार्रवाई करते हैं। पुणे से एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें पोर्श कार चलाते हुए दो लोगों की हत्या करने वाला लड़का जेल से रिहा होने के बाद जश्न मनाता नजर आ रहा है... अगर कानून-व्यवस्था की यही हालत है, तो हम और क्या उम्मीद कर सकते हैं। बाद में पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त हुई, जिसके बाद उन्होंने धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 123 (अपराध करने के इरादे से हानिकारक पदार्थों से चोट पहुंचाना), भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और महाराष्ट्र निषेध अधिनियम की अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की। योगेश वानखेड़े नाम का एक व्यक्ति इस मामले में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सामने आया और अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पता चला कि उसने पुणे शहर और पिंपरी चिंचवड क्षेत्रों में रासायनिक पदार्थ युक्त शराब की आपूर्ति की थी। राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के पुलिस अधीक्षक अतुल कनाडे ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर शराब में जहरीला रसायन मेथनॉल मिलाया था, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की मौत हुई। अवैध शराब के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के लिए उससे आगे पूछताछ की जा रही है।

पंजाब के बाद दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला,

NEET छात्रों के लिए DTC फ्री

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब सरकार के बाद दिल्ली सरकार ने भी NEET 2026 के उम्मीदवारों के लिए मुफ्त बस यात्रा प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस टिप्पणी को NEET-UG परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री पर एक अप्रत्यक्ष कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है। X पर केजरीवाल ने लिखा कि पंजाब सरकार के बाद अब दिल्ली सरकार ने भी NEET छात्रों के लिए बसें मुफ्त कर दी हैं। इसी बीच, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने NEET उम्मीदवारों के लिए सभी DTC बसों में मुफ्त यात्रा की घोषणा की। X को मुख्यमंत्री ने लिखा कि 21 जून को NEET (UG) 2026 परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों के समर्थन में, दिल्ली सरकार वैध एडमिट कार्ड दिखाने पर सभी DTC बसों में मुफ्त यात्रा प्रदान करेगी। किसी भी छात्र को ऐसे दिन असुविधा नहीं होनी चाहिए जो उनके भविष्य के लिए इतना महत्वपूर्ण है। सभी NEET उम्मीदवारों को मेरी शुभकामनाएं। उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प उन्हें सफलता दिलाए। इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार NEET परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए बस किराया माफ करेगी, जिससे वे 20, 21 और 22 जून को पंजाब रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। फेसबुक पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री मान ने कहा कि NEET की तैयारी कर रहे कई छात्र आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं और अक्सर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए यात्रा खर्च जुटाने में भी उन्हें कठिनाई होती है।

मुनाफे से घाटे में पहुंची इंडिगो, चुनौतीपूर्ण हालात ने बढ़ाई मुश्किलें

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो को वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में बड़ा वित्तीय झटका लगा है। कंपनी को इस अवधि में 2,536.9 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज करना पड़ा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 3,067.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। यह गिरावट केवल कंपनी की कारोबारी चुनौतियों को ही नहीं दर्शाती, बल्कि बदलते वैश्विक आर्थिक हालात, रुपये की कमजोरी और परिचालन संबंधी दबावों का भी संकेत देती है। इंडिगो द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, जनवरी से मार्च 2026 की तिमाही में कंपनी की कुल आय में वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी की आय बढ़कर 23,830.7 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 23,097.5 करोड़ रुपये थी। हालांकि आय में वृद्धि होने के बावजूद बढ़ती लागत और परिचालन दबाव के कारण कंपनी को घाटे का सामना करना पड़ा। विमानन क्षेत्र वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियों से गुजर रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में बदलाव और परिचालन लागत में वृद्धि ने एयरलाइंस कंपनियों के सामने नई समस्याएं खड़ी कर दी हैं। इंडिगो के मामले में भी रुपये की विनिमय दर में तेज गिरावट एक बड़ा कारण बनी। चूंकि विमानन उद्योग का एक बड़ा हिस्सा डॉलर आधारित खर्चों पर निर्भर करता है, इसलिए रुपये की कमजोरी का सीधा असर कंपनी की लागत पर पड़ा। कंपनी के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 इंडिगो के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों वाला रहा। उन्होंने स्वीकार किया कि इन परिस्थितियों ने कंपनी की लाभप्रदता को प्रभावित किया। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कंपनी ने कई मोर्चों पर सकारात्मक प्रदर्शन बनाए रखा है। उनके अनुसार, पूरे वित्त वर्ष के दौरान इंडिगो की क्षमता में लगभग 9.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और कुल आय में छह प्रतिशत से अधिक का इजाफा दर्ज किया गया। राहुल भाटिया ने यह भी कहा कि यदि विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव और अन्य असाधारण मदों को अलग कर दिया जाए, तो कंपनी ने लगभग 75 अरब रुपये का लाभ कमाया है। इससे संकेत मिलता है कि कंपनी की मूल कारोबारी स्थिति अभी भी मजबूत बनी हुई है, लेकिन बाहरी आर्थिक परिस्थितियों ने उसके प्रदर्शन को प्रभावित किया। वहीं, घरेलू विमानन बाजार में इंडिगो की पकड़ अब भी मजबूत दिखाई दे रही है। मार्च 2026 में कंपनी की घरेलू बाजार हिस्सेदारी 63.3 प्रतिशत रही, जो यह दर्शाती है कि यात्रियों के बीच इंडिगो की लोकप्रियता और भरोसा अभी भी कायम है।

खिलाड़ियों पर सख्ती! IPL में स्मार्ट ग्लास पहनने पर रोक

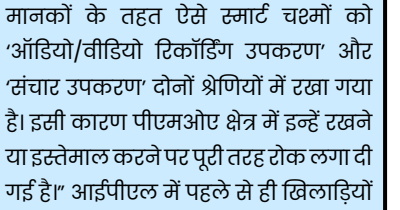

भारतीय क्रिकेट बोर्ड भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीएसयू) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों द्वारा स्मार्ट चश्मों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। बोर्ड ने इन चश्मों में मौजूद उन्नत संचार सुविधाओं को सुरक्षा और भ्रष्टाचार-रोधी नियमों के लिए खतरा बताया है। बीसीसीआई एसीएसयू ने सभी फ्रेंचाइजी को जारी एक परामर्श में कहा कि कुछ कंपनियां खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को स्मार्ट चश्मे बेच रही हैं। बीसीसीआई ने कहा, "इन उपकरणों में लाइव स्ट्रीमिंग, टेक्स्ट संदेश भेजने और प्राप्त करने के साथ-साथ मोबाइल डेटा या वाई-फाई के जरिए ऑडियो और वीडियो कॉलिंग जैसी उन्नत संचार सुविधाएं उपलब्ध हैं।" उन्होंने कहा, "पीएमओए (खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों का क्षेत्र) के न्यूनतम मानकों के तहत ऐसे स्मार्ट चश्मों को 'ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग उपकरण' और 'संचार उपकरण' दोनों श्रेणियों में रखा गया है। इसी कारण पीएमओए क्षेत्र में इन्हें रखने या इस्तेमाल करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।" आईपीएल में पहले से ही खिलाड़ियों को निर्धारित पीएमओए क्षेत्रों में मोबाइल या अन्य संचार उपकरणों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के अधिकारी रोमी भिंडर को टीम डगआउट में मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए कैमरे में पकड़े जाने पर एक लाख रुपये का जुर्माना और चेतावनी दी गई थी। बीसीसीआई ने अपने नवीनतम निर्देश में खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों से कहा है कि वे पीएमओए में प्रवेश करने से पहले स्मार्ट चश्मे भी जमा कराएं।

क्लासेन और ईशान ने रचा इतिहास, IPL 2026 में बने खास क्लब का हिस्सा

'लगे रहो बेटे' — गावस्कर का आशीर्वाद, वैभव सूर्यवंशी का बल्ला गरजा

राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंदों में 97 रन बनाकर पूरे क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। लेकिन मैच शुरू होने से ठीक पहले, सूर्यवंशी ने महान सुनील गावस्कर के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इस किशोर खिलाड़ी को बड़ों के पैर छूने की आदत पड़ गई है, जो भारतीय संस्कृति में एक गहरी परंपरा है। हालांकि सूर्यवंशी गावस्कर से लंबी बातचीत के लिए उपलब्ध नहीं थे, फिर भी गावस्कर ने अपना संदेश इस युवा खिलाड़ी तक पहुंचा दिया। एक इंटरव्यू में गावस्कर ने बताया कि मुल्लनपुर में मैच से पहले हुए कार्यक्रम के दौरान जब राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज सूर्यवंशी ने उनके पैर छुए, तो उन्होंने उन्हें क्या संदेश दिया। गावस्कर ने कहा कि मैं उनसे वही कहूंगा जो मैंने उनसे कल मैच से ठीक पहले कहा था, जब वे मैदान पर कार्यक्रम कर रहे थे। जब वे आए और उन्होंने मेरे पैर छुए, तो मैंने उनसे बस इतना कहा, 'लगे रहो बेटे, लगे रहो।' और अगर मैं उनके साथ दूसरे छोर पर बल्लेबाजी कर रहा होता, तो मैं उनसे ठीक यही कहता। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज गावस्कर, लाखों भारतीयों की तरह, वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसक बन गए हैं। हालांकि इस बात पर राय बंटी हुई है कि क्या लड़के को भारतीय टीम में जल्द से जल्द शामिल किया जाना चाहिए, गावस्कर चाहते हैं कि उसे जल्द से जल्द डेब्यू का मौका दिया जाए। गावस्कर ने यूट्यूब शो 'स्पोर्ट्स तक' में कहा कि 2026 वैभव सूर्यवंशी वर्ष के रूप में याद किया जाएगा। वह (सूर्यवंशी) टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए उसका चयन होगा। मेरा मतलब है कि इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह चयन का हकदार है। अगर इस प्रदर्शन के बाद उसे मौका नहीं दिया गया, तो कब दिया जाएगा? पूर्व भारतीय कप्तान को पूरा विश्वास है कि उम्र कोई मायने नहीं रखती क्योंकि वह 15 साल की उम्र में ही हर तरफ छक्के-चौके लगा रहा है।

सिंगापुर ओपन में पीवी सिंधु का सफर खत्म, नंबर-1 खिलाड़ी से मिली कड़ी टक्कर

अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का सिंगापुर ओपन सुपर 750 में सफर क्वार्टरफाइनल में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी एन से यंग के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार के साथ समाप्त हो गया। हालांकि स्कोर 17-21, 14-21 रहा और मैच 48 मिनट में खत्म हुआ, लेकिन यह देखने में जितना लग रहा था उससे कहीं ज्यादा प्रतिस्पर्धी था। इस मैच में सिंधु की आक्रामक खेल शैली और महिला बैडमिंटन के शीर्ष स्तर पर बढ़ती प्रतिस्पर्धा दोनों ही स्पष्ट रूप से दिखाई दीं। सिंधु ने आक्रामक शुरुआत की और अपने शक्तिशाली ओवरहेड शॉट्स और तेज स्मैश से एन से यंग को शुरुआत में ही परेशान कर दिया। उन्होंने 22 और 31 शॉट्स की दो लंबी रैलियां भी सटीक विनर्स के साथ जीतीं, जिससे शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी, जो अपनी असाधारण रक्षात्मक शैली और गति के लिए जानी जाती हैं, कुछ समय के लिए विचलित हो गईं। एक समय सिंधु ने स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया और बाद में पहले गेम में कोरियाई खिलाड़ी को कड़ी टक्कर देते हुए अंतर को 14-13 तक कम कर दिया। हालांकि, नेट पर और फ्रंट कोर्ट में बार-बार हुई गलतियों ने सिंधु की लय को तोड़ दिया। शानदार वापसी करते हुए और 19-17 पर 40 शॉट की मैराथन रैली जीतने के बावजूद, सिंधु ने अंततः पहला गेम गंवा दिया जब उनका शॉट लंबा चला गया, जिससे एन ने गेम अपने नाम कर लिया। भारतीय शटलर सिंधु के लिए दूसरा गेम मुश्किल से शुरू हुआ, क्योंकि एन ने 6-0 की बढ़त बना ली। सिंधु ने कुछ हद तक वापसी की और अंतर को 7-9 तक कम कर दिया, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने मध्यांतर तक अपना दबदबा बनाए रखा। एक विवादित नेट कॉल के बाद कुछ देर के लिए तनाव भी पैदा हुआ, हालांकि इससे खेल की गति पर कोई खास असर नहीं पड़ा।

विनेश फोगाट को सुप्रीम कोर्ट से राहत, एशियाई खेल ट्रायल्स में हिस्सा लेंगी

सुप्रीम कोर्ट ने पहलवान विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दे दी है और दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है जिसमें उन्हें राहत दी गई थी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा दायर याचिका पर, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से मना कर दिया। इससे फोगाट के लिए 30 मई से दिल्ली में शुरू होने वाले एशियाई खेलों के ट्रायल्स में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया है। डब्ल्यूएफआई की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फोगाट को नोटिस जारी कर कहा कि वह बाद में मामलों का विश्लेषण करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं; आप जा सकती हैं और भाग ले सकती हैं। इसमें आगे कहा गया कि विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के लिए निर्धारित चयन ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। पीठ ने डब्ल्यूएफआई की ओर से पेश वकील से कहा कि आज, इस स्तर पर, हाई कोर्ट द्वारा आदेश पारित किए जाने के बाद, उम्मीदें और अपेक्षाएं बढ़ गई हैं। उन्हें घर वापस जाने के लिए कहना और यह कहना कि हम कुछ नहीं कर सकते, उचित नहीं होगा। हम आपको यह बात स्पष्ट रूप से कह रहे हैं। इस बीच, सर्वोच्च न्यायालय ने ओलंपियन को राहत देते समय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण पर आपत्ति जताई। इसके बावजूद, सुप्रीम कोर्ट ने पहलवान को ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी और उसमें हस्तक्षेप न करने का निर्णय लिया। सुनवाई की शुरुआत में, न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान से कहा कि हमारे कुछ प्रश्न हैं। न्यायमूर्ति ने गौर किया कि फोगाट ने दिसंबर 2024 में खेल से विराम लिया था और कहा था कि वह अगस्त 2025 में वापसी करेंगी।

GoPro पहनकर AI को ट्रेन कर रहे मजदूर

फैक्ट्री वर्कर्स के माथे पर कैमरा क्यों?

तमिलनाडु के करूर में कपड़ा मजदूर GoPro कैमरों से अपने काम को रिकॉर्ड कर अमेरिकी कंपनी के फिजिकल AI को ट्रेन कर रहे हैं. बेहतर कमाई देने वाले इस अनूठे डिजिटल रोजगार ने भविष्य में ब्लू कॉलर नौकरियां छिनने की नई बहस छेड़ दी है.

क्या आपने कभी सोचा है कि कपड़े फोल्ड करने, पैकिंग करने या सिलाई करने वाला एक आम मजदूर की AI को ट्रेन कर सकता है? तमिलनाडु के करूर की एक टेक्सटाइल फैक्ट्री से सामने आई कहानी ने सोशल मीडिया पर लोगों को हैरान कर दिया है.

यहां काम करने वाले मजदूर GoPro कैमरा पहनकर अपना पूरा दिन रिकॉर्ड कर रहे हैं और यही डेटा भविष्य के AI और रोबोट्स को सिखाने के काम आ रहा है.

फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारी 8 घंटे की शिफ्ट में 100 से 150 घंटे तक का फुटेज रिकॉर्ड करते हैं. वीडियो में कपड़े फोल्ड करना, पैकिंग करना, सिलाई करना और दूसरे रोजमर्रा के काम कैद होते हैं. इस डेटा का इस्तेमाल अमेरिका की AI डेटा सॉल्यूशन कंपनी Objectways कर रही है, जो पिछले करीब दो साल से इस टेक्सटाइल यूनिट के साथ काम कर रही है.

वीडियो में एक कर्मचारी कहता दिखा कि पहले वह इलेक्ट्रीशियन था, लेकिन कम सैलरी की वजह से उसने यह काम शुरू किया. अब उसे पहले से बेहतर कमाई हो रही है और परिवार आराम से चल रहा है. सबसे दिलचस्प बात यह है कि ये डेटा सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि अमेरिका में भी इस्तेमाल हो रहा है. कंपनी का कहना है कि सभी कर्मचारियों की सहमति लेकर ही रिकॉर्डिंग की जाती है.

AI मजदूरों की नौकरियां छीन लेगा?

हालांकि सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देखने के बाद लोगों के मन में एक बड़ा सवाल भी उठा- क्या भविष्य में यही AI मजदूरों की नौकरियां छीन लेगा? इस पर फैक्ट्री कर्मचारियों का कहना है कि AI कितना भी आगे बढ़ जाए, लेकिन इंसानों के बिना पूरी सटीक काम नहीं कर सकता.

नई मेट्रो में छत से पानी टपकता देख भड़के लोग

पुणे में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच अब शहर की मेट्रो व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं.

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में पुणे मेट्रो के कोच के अंदर छत से पानी टपकता दिखाई दिया, जिसे देखकर लोग हैरान रह गए. वीडियो में देखा जा सकता है कि मेट्रो कोच के अंदर छत के पैनलों से लगातार पानी रिस रहा है. यात्री उसी कोच में बैठे और खड़े नजर आ रहे हैं, जबकि टपकता पानी धीरे-धीरे फर्श पर जमा होने लगा.

शादी का अनोखा ट्रेंड वायरल

बारातियों को मिली डॉक्टर-नाई की सुविधा

समय के साथ शादियों का अंदाज तेजी से बदलता जा रहा है. पहले जहां शादी का मतलब सिर्फ खाना, सजावट और संगीत तक सीमित होता था, वहीं अब लोग अपनी शादी को खास और यादगार बनाने के लिए नए-नए प्रयोग कर रहे हैं. हर दिन सोशल मीडिया पर शादी से जुड़े अलग-अलग ट्रेंड देखने को मिलते हैं. कोई दूल्हा हेलीकॉप्टर से एंट्री करता है तो कोई दुल्हन डांस परफॉर्मेंस से सबका दिल जीत लेती है.

खुद को टाइम ट्रैवलर बताने वाले शख्स का दावा

2050 में वीरान एफिल टॉवर और सुनसान होंगे शहर

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक अजीब और रहस्यमयी वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक व्यक्ति खुद को टाइम ट्रैवलर बता रहा है. उसका दावा है कि वह साल 2050 से आया है और उसने तीसरे विश्व युद्ध के बाद की तबाही की दुनिया देखी है.

वीडियो में वह दुनिया की ऐसी तस्वीर दिखाता है, जिसे देखकर लोग हैरान भी हैं और डरे हुए भी. यह वीडियो टिकटॉक अकाउंट @bon.bonclyde से शेयर किया गया है. इस अकाउंट पर पहले भी कई रहस्यमयी और एआई से बने वीडियो पोस्ट किए जा चुके हैं, लेकिन इस बार शेयर किए गए वीडियो ने लोगों का ध्यान सबसे ज्यादा खींचा है. वीडियो में दावा किया गया है कि भविष्य में दुनिया पूरी तरह बदल चुकी है और बड़े-बड़े शहर वीरान हो गए हैं. वीडियो की शुरुआत पेरिस के मशहूर एफिल टॉवर से होती है. टाइम ट्रैवलर होने का दावा करने वाला व्यक्ति कहता है कि वह साल 2050 में पेरिस में मौजूद है. वह कैमरे में एक जंग लगा हुआ एफिल टॉवर दिखाता है. आसपास कोई इंसान दिखाई नहीं देता. सड़कें खाली हैं और जगह-जगह टूट-फूट नजर आती है. वीडियो में वह कहता है- कुछ बहुत बड़ा हुआ है. यहां अब कोई नहीं है. इसके बाद वह नोटे डेम कैथेड्रल दिखाता है, जो बेहद पुराना और टूटा हुआ दिखाई देता है. वीडियो में कहा गया है कि इमारतों पर बेलें उग चुकी हैं और पूरा शहर सुनसान हो गया है.

‘3 इडियट्स’ सीक्वल को छोड़ आमिर खान बने क्रिकेट के सुपरस्टार!

अब बड़े पर्दे पर दिखेगी ‘लाला अमरनाथ’ की कहानी

बॉलीवुड के ‘मिस्टर परफेक्शनिस्ट’ कहे जाने वाले आमिर खान एक बार फिर अपने बड़े और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में हैं। पिछले साल रिलीज हुई उनकी फिल्म ‘सितारे जमीं पर’ ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। इसके बाद आमिर ने फिल्म ‘हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस’ में अपने मजेदार कैमियो से भी दर्शकों को सरप्राइज दिया। लेकिन अब जो खबर सामने आई है, उसने आमिर खान के फैंस की एक्साइटमेंट को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। खबर है कि आमिर खान जल्द ही भारतीय क्रिकेट इतिहास के दिग्गज खिलाड़ी लाला अमरनाथ की बायोपिक ‘लाला अमरनाथ’ में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे।इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसके लिए आमिर खान ने अपनी सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक ‘3 इडियट्स’ के सीक्वल को फिलहाल होल्ड पर रख दिया है। लंबे समय से इस सीक्वल को लेकर फैंस में उत्सुकता बनी हुई थी, लेकिन अब मेकर्स ने पहले ‘लाला अमरनाथ’ को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि आमिर इस फिल्म को बेहद गंभीरता से ले रहे हैं और अपने किरदार को परफेक्ट बनाने के लिए खास तैयारी भी शुरू कर चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का निर्देशन दिग्गज फिल्ममेकर आशुतोष गोवारिकर कर रहे हैं। बॉलीवुड इतिहास में आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर की जोड़ी ने ‘लगान’ जैसी ऑस्कर नॉमिनेटेड और ब्लॉकबस्टर फिल्म दी थी, जिसे आज भी हिंदी सिनेमा की बेहतरीन फिल्मों में गिना जाता है। ऐसे में वर्षों बाद इस सुपरहिट एक्टर-डायरेक्टर जोड़ी का दोबारा साथ आना फिल्म प्रेमियों के लिए किसी बड़े सिनेमाई उत्सव से कम नहीं माना जा रहा। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी तरह तैयार हो चुकी है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू की जा सकती है। फिल्म की कहानी पीयूष गुप्ता और नीरज सिंह ने लिखी है। वहीं, चर्चाएं यह भी हैं कि अभिनेता फरहान अख्तर इस फिल्म में एक अहम और दमदार भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि ऐसा होता है तो यह फिल्म और भी दिलचस्प बन सकती है। दरअसल, ‘3 इडियट्स’ के सीक्वल के टलने के पीछे दो बड़ी वजहें बताई जा रही हैं। पहली, ‘लाला अमरनाथ’ की स्क्रिप्ट का पूरी तरह तैयार होना और आमिर खान का इसे पहले शूट करने का फैसला। दूसरी ओर, निर्देशक राजकुमार हिरानी इन दिनों अपनी आगामी ओटीटी सीरीज में व्यस्त हैं, जिसके चलते सीक्वल पर काम फिलहाल आगे नहीं बढ़ पाया है। अगर बात लाला अमरनाथ की करें तो वे भारतीय क्रिकेट इतिहास के ऐसे महान खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने भारत को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नई पहचान दिलाने का काम किया। वे भारत के पहले क्रिकेटर थे जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में देश के लिए पहला शतक लगाया था। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और प्रभावशाली गेंदबाजी के कारण वे अपने दौर के शानदार ऑलराउंडर माने जाते थे। खेल जगत में उनके ऐतिहासिक योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित पद्म भूषण सम्मान से भी नवाजा था।आमिर खान पहले भी ‘लगान’ और ‘दंगल’ जैसी ब्लॉकबस्टर स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्मों से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। ऐसे में अब लाला अमरनाथ जैसे महान क्रिकेटर की कहानी को बड़े पर्दे पर देखना निश्चित रूप से रोमांचक होने वाला है। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर अभी से चर्चा तेज हो गई है और फैंस बेसब्री से इस बड़े ऐलान का इंतजार कर रहे हैं।

लखनऊ समेत कई जिलों में हाई अलर्ट
भारी बारिश-ओलावृष्टि की चेतावनी

प्रदेश सरकार ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। बिजली विभाग, स्वास्थ्य विभाग और आपदा प्रबंधन टीमों को 24 घंटे तैयार रहने को कहा गया है।

उत्तर प्रदेश में मौसम ने अचानक ऐसा रौद्र रूप धारण कर लिया है कि पूरे प्रदेश में दहशत और बेचैनी का माहौल बन गया है। मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ द्वारा जारी ताजा चेतावनी ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। विभाग ने साफ कहा है कि 29 मई की सुबह से लेकर 30 मई की सुबह तक प्रदेश के कई हिस्सों में 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी और तूफान चल सकता है, जिसकी गति कुछ इलाकों में 100 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचने की आशंका है। इसके साथ ही भारी बारिश, ओलावृष्टि, मेघ गर्जन और वज्रपात की चेतावनी भी जारी की गई है। बीते दिन आए तेज तूफान ने राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में भारी तबाही मचाई। चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार और पांच पर लगा टिन शेड तेज हवा के दबाव में अचानक भरभराकर गिर पड़ा। हादसे में दो लोगों के घायल होने की सूचना मिली है। स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। राहत की बात यह रही कि बड़ा हादसा टल गया, लेकिन इस घटना ने यह साफ कर दिया कि आने वाला तूफान कितना खतरनाक साबित हो सकता है। गुरुवार शाम से ही प्रदेश के कई जिलों में मौसम का मिजाज तेजी से बदला। आसमान में घने काले बादल छा गए और अचानक तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। कई जगह पेड़ उखड़ गए, बिजली के खंभे गिर पड़े और सड़कों पर यातायात प्रभावित हो गया। ग्रामीण इलाकों में कच्चे मकानों को भी नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आई हैं। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण यह स्थिति बनी है। विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटे बेहद संवेदनशील हैं और लोगों को अनावश्यक रूप से घरों से बाहर निकलने से बचना चाहिए। खासकर खुले मैदान, पेड़ों के नीचे और बिजली के खंभों के आसपास खड़े होने से खतरा बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों के लिए हाई अलर्ट जारी किया है। बांदा, चित्रकूट, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, संत रविदास नगर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, कानपुर, लखनऊ, आगरा, इटावा, बिजनौर, मुरादाबाद और मेरठ समेत आसपास के जिलों में तेज तूफान की चेतावनी दी गई है। विभाग का अनुमान है कि इन इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। इसके अलावा वाराणसी, गोंडा, श्रावस्ती, बरेली और पीलीभीत जैसे क्षेत्रों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। खेतों में खड़ी फसलें इस मौसम की मार से बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं। किसानों के चेहरे पर चिंता साफ दिखाई दे रही है क्योंकि तेज हवा और ओले फसलों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली और पीलीभीत जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। प्रशासन को पहले ही अलर्ट मोड पर रखा गया है। नगर निगम और आपदा प्रबंधन विभाग की टीमें संवेदनशील इलाकों में निगरानी कर रही हैं। बारिश के कारण शहरों में जलभराव की स्थिति बनने की संभावना है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। कई जिलों में स्कूलों को भी सतर्क कर दिया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

पंकज चौधरी बोले- सपा की राजनीति केवल दिखावे और नारों तक सीमित

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने चंदौली में समाजवादी पार्टी की महिला सभा की जिलाध्यक्ष गार्गी सिंह पटेल के साथ हुई मारपीट की घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह घटना सपा के वास्तविक चरित्र को उजागर करती है। जो पार्टी मंचों से महिला सम्मान, सामाजिक न्याय और अधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करती है, उसमें महिला पदाधिकारी तक सुरक्षित नहीं हैं। सपा को प्रदेश की महिलाओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने शुक्रवार को जारी अपने बयान में कहा कि यह घटना केवल एक महिला पदाधिकारी पर हमला नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और आत्मसम्मान पर सीधा आघात है। सपा का तथाकथित पीडीए अब 'पीड़ा, दमन और अपमान' का प्रतीक बन चुका है। सपा की राजनीति केवल दिखावे और नारों तक सीमित है। मंचों पर महिला सम्मान की बातें करना और व्यवहार में महिलाओं का अपमान करना ही सपा का असली चाल, चरित्र और चेहरा है। यह घटना बताती है कि सपा में महिलाओं को केवल पोस्टरों और प्रचार तक सीमित रखा जाता है, जबकि वास्तविकता में उन्हें अपमान और प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। प्रदेश की महिलाएं सपा की मानसिकता को पहचान चुकी हैं। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर उनकी कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। सपा का महिला सम्मान का मॉडल पूरी तरह खोखला और अवसरवादी है। भाजपा सरकार ने महिलाओं को सुरक्षा, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता प्रदान करने के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। विपक्षी दल केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए महिलाओं के मुद्दों का इस्तेमाल करते हैं। चंदौली की घटना सपा के अंदर व्याप्त अराजकता, गुटबाजी और महिला विरोधी मानसिकता का प्रमाण है।

सचिवालय पास लगी इनोवा कार में गुरुवार रात 16 साल की लड़की की लाश मिली

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में सचिवालय पास लगी इनोवा कार में गुरुवार रात 16 साल की लड़की की लाश मिली। एक गैर सरकारी संगठन (NGO) का संचालक लाश को हरिद्वार ले जा रहा था। लड़की की शिनाख्त पारुल के रूप में हुई। वह मूल रूप से कुशीनगर की रहने वाली थी। पुलिस की पूछताछ में NGO संचालक ने बताया, लड़की ने सुसाइड किया था। पुलिस ने लड़की के पिता से बात की और उन्हें लखनऊ बुलाया है। पिता ड्राइवर हैं, वे NGO संचालक के परिवार को लेकर मसूरी गए हैं। पुलिस के मुताबिक, गोमती नगर के रहने वाले रितेश रंजन चौबे 28-29 मई की रात करीब 12:30 बजे गोमती नगर थाने पहुंचे। पुलिस को बताया कि कुशीनगर के रहने वाले अभिषेक सक्सेना उनके ड्राइवर हैं। अभिषेक की बेटी पारुल सृजन विहार, विशाल खंड में डॉ. सुशील द्विवेदी के NGO सार्वजनिक शिक्षकोन्नयन संस्थान में रहकर पढ़ाई करती थी। उसने NGO के कमरे में ही सुसाइड कर लिया है। इस सूचना पर पुलिस रितेश रंजन चौबे के साथ सार्वजनिक शिक्षकोन्नयन संस्थान पहुंची। पुलिस ने NGO संचालक डॉ. सुशील त्रिवेदी के मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया तो वह थोड़ी ही देर में आ गए। सुशील त्रिवेदी ने पुलिस को बताया कि पारुल उनके संस्था में रहकर पढ़ाई करती थी। 28 मई को शाम करीब 7:30 बजे उसने पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। इसके बाद घर में मौजूद लोगों द्वारा मृतका के शव को उतारा गया। मृतका के पिता से बात कर शव हरिद्वार ले जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार, स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने कमरे से साक्ष्य जुटाए। मृतका के परिजन लखनऊ आ रहे हैं। उनकी शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रदर्शन के दौरान बेहोश हुई दरोगा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में महिला दरोगा ने ससुर पर दुष्कर्म और पति पर फायरिंग कर हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया है। मगर, पुलिस के कोई कार्रवाई नहीं करने पर महिला दरोगा बृहस्पतिवार को मायके वालों और किसान यूनियन के साथ थाने पहुंची। दो घंटे तक हंगामा किया। इस पर पुलिस ने उनकी तहरीर पर चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। वहीं, ससुर ने भी बहू पर केस दर्ज कराया है। महिला दरोगा के मुताबिक, वर्तमान में वह प्रयागराज में तैनात हैं। पिछले साल उनकी शादी पारा निवासी युवक से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुर, पति, सास और ननद उन पर जातिसूचक टिप्पणियां करने लगे। नौकरी छोड़ने का भी दबाव बनाने लगे। ससुर ने उनके साथ दुष्कर्म किया और बाद में चूहे मारने की दवा खिलाने की कोशिश की। पीड़िता ने बताया कि पिता जब ससुराल पहुंचे तो आरोपियों ने असलहे के बल पर धमकी दी। चार दिन पहले पुलिस से शिकायत करने पर भी कुछ नहीं हुआ। इस बात पर उन्होंने प्रदर्शन किया। पुलिस कर्मियों पर भी मिलीभगत का आरोप लगाते हुए महिला दरोगा बेहोश हो गईं। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया दोनों पक्षों पर एफआईआर दर्ज की गई है। विवेचना में जो भी साक्ष्य मिलेंगे उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में छात्रा से दुष्कर्म मामला, अस्पताल सील, डॉक्टर जेल भेजा गया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में 12वीं की छात्रा से रेप के आरोपी डॉक्टर को जेल भेज दिया गया है। पीड़िता के मुताबिक, डॉक्टर ने उसके साथ ऑपरेशन थियेटर में रेप की वारदात की। मामले में डिप्टी सीएम के दखल के बाद स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने प्राइवेट हॉस्पिटल को सील कर दिया है। डॉक्टर की डिग्री और लाइसेंस भी कैंसिल किया गया है। घटना बक्शी का तालाब के इंदौराबाग स्थित तेजस हॉस्पिटल की है। पीड़िता के पिता के मुताबिक, उनकी बेटी को मिर्गी के दौरे पड़ते थे। उसे इलाज के लिए 19 मई को तेजस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 21 मई को हॉस्पिटल में दोपहर करीब 3 बजे बेटी को अचानक सांस लेने में दिक्कत हुई। ऑक्सीजन लगाने के बहाने डॉ. विजय गिरी बेटी को ऑपरेशन थिएटर में ले गया। उसके साथ बड़ी बेटी और एक नर्स भी गई थी। लेकिन कुछ ही देर बाद डॉ. विजय गिरी ने नर्स और बड़ी बेटी को बाहर भेज दिया। पिता ने पुलिस को बताया कि डॉ. विजय गिरी ने बेटी की कलाई में लगे वीगो से उसे बेहोशी का इंजेक्शन दिया। इसके बाद बेटी को कुछ होश नहीं रहा। कुछ देर बाद जब होश आया तो वह ऑपरेशन थिएटर से भागते हुए बाहर आई। उसने रोते हुए हम लोगों को बताया कि डॉक्टर ने उसके साथ रेप किया है। इसके बाद हम लोगों ने घटना की शिकायत पुलिस से की। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में कहा- डॉक्टर ने इलाज के बहाने पहले गंदी नीयत से शरीर पर हाथ लगाया। ओटी में मेरे साथ गई बहन को बाहर कर दिया। फिर बेहोशी का इंजेक्शन देने के बाद दुष्कर्म किया।

3 घंटे बाद डॉक्टर को दिखाने का मिला मौका
KGMU प्रशासन का दावा- सभी मरीजों को इलाज मिला

लखनऊ के KGMU में शुक्रवार को OPD में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली। डॉक्टर को दिखाने से लेकर जांच कराने तक मरीजों और तीमारदारों को घंटों इंतजार करना पड़ा। अस्पताल में सुबह से ही विभिन्न विभागों के बाहर लंबी कतारें लगी रहीं। कई मरीजों ने दावा किया कि आम दिनों की तुलना में शुक्रवार को ज्यादा भीड़ रही, जिससे इलाज कराने में समस्या हुई। बाराबंकी से बेटे निखिल को लेकर पहुंचे देशराज ने बताया कि वह सुबह अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन न्यूरो सर्जरी विभाग में डॉक्टर को दिखाने में ही करीब साढ़े तीन घंटे लग गए। डॉक्टर से परामर्श मिलने के बाद उन्हें CT स्कैन जांच के लिए भेजा गया। जांच कराने के लिए भी करीब तीन घंटे इंतजार करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि छोटे बच्चे के साथ लंबे समय तक लाइन में खड़े रहने से काफी परेशानी हुई। आकाश मौर्या ने बताया कि वह वायरल लोड की जांच कराने के लिए KGMU पहुंचे थे। जांच की प्रक्रिया पूरी होने में करीब तीन घंटे लग गए। जांच के बाद उन्हें बताया गया कि रिपोर्ट दो दिन बाद

मिलेगी। आकाश ने कहा कि अस्पताल में भीड़ अधिक होने के कारण हर काउंटर और जांच केंद्र पर लंबी लाइन लगी हुई थी। कई लोगों का कहना था कि सुबह जल्दी आने के बावजूद उन्हें काफी देर तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। मरीजों का आरोप था कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नजर नहीं आई। KGMU के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि आमतौर पर छुट्टी के बाद OPD में मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि बकरीद के दिन भी OPD का संचालन हुआ था, लेकिन शुक्रवार को मरीजों की संख्या अपेक्षा से अधिक रही। सभी मरीजों का इलाज और जांच सुनिश्चित कराई गई। अस्पताल प्रशासन लगातार व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है, ताकि मरीजों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े

उन्नाव महिला अस्पताल में नवजातों पर खतरा!

एक माह से बंद पड़ी जरूरी HBIG वैक्सीन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के जिला महिला अस्पताल में हेपेटाइटिस बी से संक्रमित गर्भवती महिलाओं के नवजातों को संक्रमण से बचाने वाली एचबीआईजी (हेपेटाइटिस बी इम्युनोग्लोबुलिन) वैक्सीन की आपूर्ति पिछले लगभग एक माह से ठप है। इस स्थिति के कारण अस्पताल में जन्म लेने वाले नवजात बच्चों में हेपेटाइटिस संक्रमण फैलने का खतरा तेजी से बढ़ गया है। हेपेटाइटिस बी एक गंभीर वायरल संक्रमण है जो एचबीवी वायरस के कारण लिवर को प्रभावित करता है। यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति के रक्त, वीर्य या अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क में आने से फैलती है। असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई या सिरिंज का प्रयोग, टैटू और पियर्सिंग जैसी गतिविधियां इसके प्रमुख कारण मानी जाती हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए यह संक्रमण अधिक खतरनाक होता है, क्योंकि इससे समय पूर्व प्रसव, कम वजन के बच्चे का जन्म और प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव जैसी जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं।विशेषज्ञों के अनुसार, सबसे बड़ा खतरा मां से बच्चे में संक्रमण पहुंचने का रहता है। इसे रोकने के लिए संक्रमित गर्भवती महिला से जन्म लेने वाले

नवजात को जन्म के 24 घंटे के भीतर एचबीआईजी वैक्सीन लगाना अनिवार्य माना जाता है। यह वैक्सीन नवजात को हेपेटाइटिस बी संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करती है। यदि समय पर यह वैक्सीन न लगे तो बच्चे में आगे चलकर लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना तक बढ़ जाता है। जिला महिला अस्पताल में हर माह पांच से दस गर्भवती महिलाओं में हेपेटाइटिस बी संक्रमण की पुष्टि हो रही है। बीते माह भी लगभग छह महिलाएं हेपेटाइटिस बी पॉजिटिव पाई गई थीं। अस्पताल प्रशासन ने नवजातों की सुरक्षा के लिए वैक्सीन की तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के माध्यम से शासन स्तर तक भेजी है, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है।अस्पताल प्रशासन का कहना है कि वैक्सीन उपलब्ध न होने की स्थिति में चिकित्सक अपने स्तर से मां और बच्चे की सुरक्षा के लिए वैकल्पिक इंतजाम करने का प्रयास कर रहे हैं।

छह नामित सभासदों ने ली शपथ

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में शुक्रवार को पुरवा और मौरावां नगर पंचायत कार्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में शासन द्वारा नामित छह सभासदों को शपथ दिलाई गई। उपजिलाधिकारी (एसडीएम) प्रमेश श्रीवास्तव ने सभी नामित सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान पुरवा विधायक अनिल सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। शासन की ओर से पुरवा और मौरावां नगर पंचायत में तीन-तीन सभासद नामित किए गए हैं। मौरावां नगर पंचायत के कार्यक्रम में चेयरमैन विवेक सेठ मौजूद रहे, जबकि पुरवा नगर पंचायत में चेयरमैन रेनू गुप्ता ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और नगर पंचायत अधिकारी भी उपस्थित थे। शपथ ग्रहण के उपरांत, नव नामित सभासदों ने नगर के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विधायक अनिल सिंह ने कहा कि शासन द्वारा नामित सभासद नगर पंचायतों के विकास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार नगर क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिसमें सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, विधायक अनिल सिंह ने पुरवा नगर पंचायत में लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन भी किया। इन कार्यों में सड़क निर्माण, इंटरलॉकिंग, नाली निर्माण और अन्य जनहित से जुड़े कार्य शामिल हैं।

उन्नाव में कांग्रेस का भाजपा पर हमला, महंगाई से पेपर लीक तक सरकार घिरी

उन्नाव में जिला कांग्रेस कमेटी ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आर्थिक संकट, भ्रष्टाचार, पेपर लीक और बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। कुशवाहा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आम जनता की जेब पर लगातार हमला कर रही है,जबकि अपने नेताओं और उद्योगपति मित्रों को लाभ पहुंचाने में लगी हुई है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि देश और प्रदेश इस समय आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि स्वयं प्रधानमंत्री भी भविष्य में आर्थिक संकट की आशंका जता चुके हैं। इसके बावजूद सरकार जनता की समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय "आपदा में अवसर" तलाशने की नीति पर काम कर रही है। सुरेंद्र कुशवाहा ने आरोप लगाया कि भाजपा के विधायक, सांसद और मंत्री भ्रष्टाचार के जरिए अपनी संपत्तियां बढ़ाने में लगे हुए हैं। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि वह विपक्षी नेताओं की संपत्तियों की जांच कराने की बात करती है, लेकिन अपने जनप्रतिनिधियों की संपत्ति की जांच क्यों नहीं कराती। कुशवाहा ने कहा कि यदि चुनाव के समय दिए गए हलफनामों और वर्तमान संपत्ति का तुलनात्मक परीक्षण कराया जाए तो सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता की परेशानियों के पीछे भाजपा की पूरी मशीनरी जिम्मेदार है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पेपर लीक के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लगातार पेपर लीक होना सीधे तौर पर भ्रष्टाचार को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि गरीब और मध्यम वर्गीय छात्र वर्षों तक मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, कोचिंग पर लाखों रुपये खर्च करते हैं और सरकार आवेदन शुल्क के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूलती है। इसके बाद परीक्षा का पेपर लीक हो जाता है, जिससे छात्रों का भविष्य अंधकार में चला जाता है। कुशवाहा ने हाल ही में हुए नीट परीक्षा पेपर लीक का जिक्र करते हुए इसे चार-पांच साल तक तैयारी करने वाले छात्रों के साथ अन्याय बताया। उन्होंने उन एजेंसियों की जांच की मांग की, जिनके माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई जाती हैं। उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब परीक्षाओं के दौरान छात्रों की कड़ी तलाशी ली जाती है, कलावा तक कटवाया जाता है और महिलाओं की बिछिया तक उतरवाई जाती है, तब आखिर पेपर लीक कैसे हो जाता है।

भीषण गर्मी में ट्रैफिक जवानों को राहत,

उन्नाव पुलिस ने बांटे छाते और पानी की बोतलें

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में भीषण गर्मी के मद्देनजर ट्रैफिक व्यवस्था संभाल रहे होमगार्ड और पीआरडी जवानों को राहत देने के लिए पुलिस विभाग ने एक पहल की है। एसपी कार्यालय परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात जवानों को छाते और पानी की बोतलें वितरित की गईं। इस दौरान अधिकारियों ने जवानों को गर्मी से बचाव और अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने कार्यक्रम में बताया कि जिले की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में ट्रैफिक कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल, सब इंस्पेक्टर, टीआई के साथ-साथ होमगार्ड्स और पीआरडी जवान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि तेज धूप और बढ़ते तापमान के बीच सड़क पर लगातार ड्यूटी करना चुनौतीपूर्ण होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस बार विशेष रूप से होमगार्ड्स और पीआरडी जवानों के लिए छाते और पानी की बोतलों की व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्तमान में लगभग 88 होमगार्ड्स और पीआरडी जवान ट्रैफिक ड्यूटी में तैनात हैं। इन सभी को एक-एक छाता और पानी की बोतल उपलब्ध कराई गई है। बताया गया कि छाते का उपयोग जवान गर्मी के साथ-साथ बरसात के मौसम में भी कर सकेंगे, जिससे प्रतिकूल मौसम में भी यातायात व्यवस्था अप्रभावित रहेगी। पानी की बोतलें जवानों को निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) से बचाने में सहायक होंगी। पुलिस अधिकारियों ने यह भी बताया कि विभाग अपने पुलिसकर्मियों के लिए पहले भी ऐसी व्यवस्थाएं करता रहा है। ट्रैफिक कांस्टेबल और अन्य पुलिस जवानों को पिछले वर्ष ही आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा चुकी थी। इस बार होमगार्ड्स और पीआरडी जवानों को प्राथमिकता दी गई है। भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर अन्य कर्मचारियों को भी सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम के दौरान जवानों को निर्देश दिए गए कि वे ड्यूटी के समय छाते का नियमित उपयोग करें और हमेशा अपने साथ पानी रखें। ऐसा करने से गर्मी के कारण होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचा जा सकेगा। अधिकारियों ने जोर दिया कि भीषण गर्मी के इस दौर में लगातार धूप में खड़े रहने से तबीयत बिगड़ने का खतरा बना रहता है, इसलिए सभी जवान अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

उन्नाव में कोतवाली परिसर में सिपाही को सांप ने काटा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के सफीपुर कोतवाली में तैनात एक सिपाही को गुरुवार रात जहरीले सांप ने काट लिया। घटना उस समय हुई जब सिपाही आशीष धारीवाल मेस से खाना लेकर अपने कमरे की ओर जा रहे थे। सांप के काटने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2019 बैच के पुलिसकर्मी आशीष धारीवाल मूल रूप से अमरोहा जनपद के निवासी हैं। गुरुवार रात कोतवाली परिसर में जाते समय एक जहरीले सांप ने उनके बाएं पैर की उंगली में काट लिया। शुरुआत में उन्होंने इसे सामान्य घटना समझा, लेकिन कुछ ही देर में तेज दर्द और बेचैनी होने लगी। साथी पुलिसकर्मियों ने तुरंत उन्हें सफीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उन्हें उन्नाव जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों ने सिपाही को एंटी-स्नेक वेनम इंजेक्शन सहित आवश्यक दवाएं दी हैं। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल उनकी हालत स्थिर है, हालांकि उन्हें अभी निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही अन्य पुलिसकर्मी भी जिला अस्पताल पहुंच गए। साथी पुलिसकर्मियों ने बताया कि बरसात और गर्मी के मौसम में कोतवाली परिसर और आसपास झाड़ियों के कारण अक्सर जहरीले जीव निकल आते हैं। डॉक्टर आशीष सक्सेना ने बताया कि सांप काटने की स्थिति में तुरंत अस्पताल पहुंचना बेहद जरूरी होता है। समय पर इलाज मिलने से मरीज की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि सिपाही की हालत में अब सुधार हो रहा है।

'22 मई से था कैद'— घायल युवक का बड़ा आरोप, इंजेक्शन देकर रखा बेहोश

उन्नाव में एक युवक को गोली लगने और कई दिनों तक बंधक बनाकर रखने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घायल युवक ने इलाज के दौरान कुछ लोगों पर अपहरण कर बंदी बनाकर रखने, मारपीट करने और गोली मारने का आरोप लगाया है। गंभीर हालत में युवक को जिला अस्पताल से कानपुर रेफर किया गया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, घायल युवक ने अपना नाम विवेक पटेल बताया है। वीडियो में वह घायल अवस्था में बातचीत करता दिख रहा है। युवक ने आरोप लगाया कि उसे 22 मई से बंधक बनाकर रखा गया था। उसने दो युवक और एक युवती पर उसे बंदी बनाने का आरोप लगाया। युवक ने यह भी बताया कि उसे इंजेक्शन देकर बेहोश रखा जाता था और उसके साथ मारपीट भी की गई। युवक ने बताया कि उसे मिलने के बहाने बुलाया गया था, जिसके बाद उसे बंधक बना लिया गया। बातचीत के दौरान युवक दर्द में था और उसने गोली लगने की बात भी कही। हालांकि, घटना कहां और किन परिस्थितियों में हुई, इसकी स्पष्ट जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और घायल युवक के बयान के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। जिला अस्पताल में घायल युवक का इलाज करने वाले डॉ. आशीष सक्सेना ने बताया कि विवेक नाम का युवक गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। प्रथम दृष्टया यह मामला गोली लगने का प्रतीत हो रहा है। युवक की हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए कानपुर रेफर कर दिया गया है।

मऊ में गरजे योगी: 'माफिया के सामने झुकती थी सपा सरकार

अब दंगाइयों का होगा रावण-कंस जैसा हश्र'

मऊ में योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर माफिया को संरक्षण देने और कल्याणकारी योजनाओं में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों में बाधा डालने वालों का हश्र रावण-कंस जैसा होगा,

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए पिछली सरकार पर माफिया तत्वों को संरक्षण देने, कल्याणकारी योजनाओं को रोकने और राज्य भर में अराजकता को पनपने देने का आरोप लगाया। मऊ के मधुबन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने राज्य के सुरक्षा माहौल में सुधार किया है और यह सुनिश्चित किया है कि जन कल्याणकारी योजनाएं गरीबों तक पहुंचें।योगी ने कहा कि पिछली सरकार माफिया के आगे झुक गई थी। चारों ओर अराजकता और अव्यवस्था फैली हुई थी। अब मैं कह सकता हूँ कि आज किसी भी माफिया या गुंडे में किसी भी त्योहार के दौरान गड़बड़ी पैदा करने की हिम्मत नहीं है। अगर कोई भी धार्मिक आयोजन में बाधा डालता है, तो त्योहार तो मनाया जाएगा, लेकिन उसका अंजाम रावण और कंस की तरह ही तय होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं, गुंडे उन्हें परेशान करते थे। अपहरण कभी भी हो सकते थे। व्यापारियों को सूर्यास्त से पहले दुकानें बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ता था। अगर परिवार का कोई सदस्य सूर्यास्त के बाद घर नहीं पहुंचता था, तो परिवार को चिंता सताने लगती थी कि कहीं उनका क्या न हो जाए। योगी ने कहा कि उस दंगे जैसे माहौल में, अराजकता से भरे वातावरण में, यहां के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। राज्य में नौकरियां नहीं थीं। लेकिन जब वे राज्य से बाहर जाते थे, तो उत्तर प्रदेश का नाम सुनते ही लोग दस कदम पीछे हट जाते थे। योगी ने कहा- पहले गरीबों के लिए कोई सुविधा नहीं थी। आपने 2014 में देश की बागडोर नरेंद्र मोदी को सौंपी। उन्होंने कहा कि एक जाति गरीबों की, एक युवाओं की, एक महिलाओं की और एक किसान की जो हमें भोजन देता है। अगर आपको याद हो, तो इन चारों में सभी शामिल हैं। अगर इन चारों का उत्थान हो जाए, तो देश चलने लगेगा। मोदी जी दिल्ली में योजनाएँ बनाते थे, लेकिन 2014 से 2017 तक उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार ने उन्हें राज्य में लागू नहीं होने दिया। सपा ने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। सपा सरकार माफिया के सामने गिड़गिड़ाती थी। वे पसीना बहाते थे, माफिया के सामने बोल तक नहीं पाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग आज उपदेश दे रहे हैं, उनसे पूछा जाना चाहिए कि गरीबों को दिए गए 65 लाख मकान सपा सरकार के समय क्यों नहीं दिए गए। सपा चार बार सत्ता में रही, तब शौचालय क्यों नहीं बनाए गए? कांग्रेस ने 50 साल तक शासन किया, उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया? तब गरीबों को राशन क्यों नहीं मिला? उनकी दोनों सरकारों में गुंडे राशन हड़प लेते थे।

ट्रेन पर पथराव की घटना के बाद सख्त हुआ रेलवे प्रशासन

फर्रुखाबाद जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रेलवे प्रशासन और आरपीएफ ने मंगलवार को अवैध वेंडिंग और रेलवे लाइन पार करने वालों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान लंबी दूरी की ट्रेनों में अवैध रूप से सामान बेच रहे 8 वेंडरों को पकड़ लिया गया, जबकि अनधिकृत रूप से रेलवे ट्रैक पार करने वाले 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अभियान चलते ही स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया। रेलवे सूत्रों के मुताबिक 24 मई को गाड़ी संख्या 20921 लखनऊ-बांद्रा एक्सप्रेस में एक अवैध वेंडर और यात्री के बीच पैसों को लेकर विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ा कि गुस्साए वेंडर ने ट्रेन पर पत्थर फेंक दिया। पथराव में एसी थर्ड कोच के बाहरी शीशे टूट गए थे, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई थी। घटना को गंभीरता से लेते हुए आरपीएफ ने जांच शुरू की। जांच में प्लेटफॉर्म नंबर 2 और 3 पर स्थित राजीव कुमार कैटरिंग स्टॉल पर काम करने वाले शिवा सक्सेना का नाम सामने आया। आरोपी के खिलाफ रेल अधिनियम की धारा 153 और 145 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। बाद में आरपीएफ टीम ने उसे माल गोदाम प्लेटफॉर्म क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। रेलवे प्रशासन ने स्टेशन की छवि सुधारने और यात्रियों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए सख्त रुख अपनाया। स्टेशन प्रबंधक मनोज कुमार और डीसीसीआई के निर्देश पर प्लेटफॉर्मों पर विशेष निगरानी बढ़ाई गईइसी क्रम में गोरखपुर-बांद्रा अंत्योदय एक्सप्रेस के फर्रुखाबाद पहुंचते ही आरपीएफ और रेलवे अधिकारियों ने संयुक्त छापामार अभियान चलाया। अचानक हुई कार्रवाई से अवैध वेंडरों में अफरा-तफरी मच गई। कई वेंडर मौके से भागने की कोशिश करते दिखे, लेकिन टीम ने 8 लोगों को पकड़ लिया।

अखिलेश यादव ने हादसे पर दुख जताया

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में निर्माणाधीन पुल गिरने की घटना के बाद प्रदेश की राजनीति तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हादसे को लेकर भारतीय जनता पार्टी और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निर्माण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहे हैं और कमीशनखोरी की वजह से ऐसे हादसे सामने आ रहे हैं। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए हादसे पर दुख जताया। उन्होंने लिखा कि हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल गिरने से छह लोगों की मौत बेहद दुखद है और कई अन्य लोगों के घायल होने की सूचना है। उन्होंने प्रशासन से राहत और बचाव कार्य तेज करने की मांग की। साथ ही मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने और सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कराने की बात कही। सपा प्रमुख ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में होने वाले ज्यादातर निर्माण कार्य भ्रष्टाचार की वजह से प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हर परियोजना में भारी कमीशनखोरी हो रही है, जिसकी वजह से पुल, पानी की टंकियां और सरकारी भवन लगातार हादसों का शिकार बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो पुल हवा से टूट जा रहे हैं उन पर जब ट्रैफिक चलेगा तो क्या होगा ये सोचकर ही डर लगता है। अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से पीड़ितों की हर संभव मदद करने की अपील भी की। इस मामले में समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता मनोज काका ने भी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल आंधी और तेज हवा का दबाव भी नहीं झेल सका, जिससे निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की विकास योजनाएं भ्रष्टाचार की वजह से प्रभावित हो रही हैं। मनोज काका ने सरकार से पूछा कि लगातार हो रहे निर्माण हादसों की जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने पेपर लीक जैसे मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है।

छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार में मचा कोहराम

मऊ दरवाजा थाना क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां बीए की 20 वर्षीय छात्रा ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार थाना मऊ दरवाजा क्षेत्र के मोहल्ला दुईया निवासी अवनीश कुमार शाक्य की पुत्री अंजलि उर्फ मुस्कान शाम अपने कमरे में चली गई थी। काफी देर तक जब वह बाहर नहीं निकली तो परिजनों ने आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद पिता कमरे में पहुंचे तो बेटी का शव दुपट्टे के फंदे से छत के कुंडे पर लटका मिला। यह दृश्य देखकर परिवार के होश उड़ गए और चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना शाम करीब सात बजे पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजब सिंह और बजरिया चौकी इंचार्ज यतेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतका बीए की छात्रा थी और परिवार पिछले कई वर्षों से आर्थिक और मानसिक परेशानियों से गुजर रहा था। करीब तीन साल पहले उसकी मां ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मां की मौत के बाद मुस्कान ही अपने पिता की देखभाल कर रही थी। कुछ समय पहले घर में लगी आग में पिता अवनीश शाक्य गंभीर रूप से झुलस गए थे, जिसके चलते वह ठीक से चलने-फिरने में भी असमर्थ बताए जा रहे हैं।